

## जलवायु परिवर्तन और संक्रामक रोग

### प्रलिस के लयि:

संक्रामक रोग, संक्रामक रोग लकैज

### मेन्स के लयि:

रपिर्ट की मुख्य वशिषताएँ

## चर्चा में क्यौं?

हाल ही में 'साइंस ऑफ द टोटल एनवायरनमेंट' (Science of the Total Environment) जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, जलवायु परिवर्तन के वभिन्न कारक कुल संक्रामक रोगों के 9-18% मामलों के लयि ज़मिेदार है ।

- मानवजनति गतविधियों से प्रेरति जलवायु परिवर्तन पछिले कई वर्षों में सार्वजनिक स्वास्थ्य लाभ को चुनौती दे सकता है, वशिष रूप से भारत जैसे देश में जो वशिष में जलवायु-संवेदनशील देशों की सूची में उच्च स्थान पर है ।

## प्रमुख बदि

### • रपिर्ट की मुख्य वशिषताएँ:

- बच्चों में भेद्यता: वशिष स्तर पर यह अनुमान लगाया गया है कि जलवायु परिवर्तन के कारण सबसे अधिक बीमारी का भार बच्चों को उठाना पड़ता है, जसिमें सबसे गरीब लोग अनुपातहीन रूप से प्रभावति होते हैं ।
- बच्चों से जुड़ा उच्च जोखमि शारीरिक भेद्यता के संयोजन से संबंधति के होता है ।
- प्रभावति करने वाले कारक: तापमान, आर्द्रता, वर्षा, सौर विकिरण और हवा की गति जैसे जलवायु पैरामीटर महत्त्वपूर्ण रूप से संक्रामक, पेट और आँत से जुड़ी बीमारियों (गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल), श्वसन रोगों, वेक्टर जनति रोगों और त्वचा रोगों से जुड़े हुए है ।
- प्रभाव: सामाजिक-आर्थिक स्थिति और चाइल्ड एंथ्रोपोमेट्री (मानव शरीर के माप और अनुपात का अध्ययन) ने स्टंटगि, वेस्टगि तथा कम वजन की स्थिति से पीड़ति बच्चों के उच्च अनुपात के साथ जलवायु-रोग संबंध को संशोधति कयिा है ।

### • जलवायु परिवर्तन और संक्रामक रोग लकैज का उदाहरण:

- मलेरया सार्वजनिक स्वास्थ्य के लयि बड़ी चतिा का वशिष है और लंबे समय तक जलवायु परिवर्तन के प्रतिसंवेदनशील वेक्टर जनति रोग होने की संभावना है ।
  - अत्यधिक स्थानिक कषेत्रों में मलेरया मौसमी रूप से भनिन होता है उदाहरण के लयि भारत में मलेरया और जलवायु घटनाओं के बीच की कड़ी का अध्ययन लंबे समय से कयिा जा रहा है ।
  - पछिली शताब्दी की शुरुआत में नहर से सचिति पंजाब कषेत्र समय-समय पर मलेरया महामारी से प्रभावति हुआ ।
  - अत्यधिक मानसून वर्षा और उच्च आर्द्रता वाले कषेत्रों की पहचान एक प्रमुख प्रभाव के रूप में की गई थी, जो मच्छरों के प्रजनन और अस्तित्व को बढ़ाती है ।
  - हाल के वशिषणों से पता चला है कि अल नीनो घटना के बाद वर्ष में मलेरया महामारी का जोखमि लगभग पाँच गुना बढ़ जाता है ।

Environmental changes	Example diseases	Pathway of effect
Dams, canals, irrigation	Schistosomiasis	▲ Snail host habitat, human contact
	Malaria	▲ Breeding sites for mosquitoes
	Helminthiasis	▲ Larval contact due to moist soil
	River blindness	▼ Blackfly breeding, ▼ disease
Agricultural intensification	Malaria	▲ Crop insecticides and ▲ vector resistance
	Venezuelan haemorrhagic fever	▲ rodent abundance, contact
Urbanization, urban crowding	Cholera	▼ sanitation, hygiene; ▲ water contamination
	Dengue	Water-collecting trash, ▲ <i>Aedes aegypti</i> mosquito breeding sites
	Cutaneous leishmaniasis	▲ proximity, sandfly vectors
Deforestation and new habitation	Malaria	▲ Breeding sites and vectors, immigration of susceptible people
	Oropouche	▲ contact, breeding of vectors
	Visceral leishmaniasis	▲ contact with sandfly vectors
Reforestation	Lyme disease	▲ tick hosts, outdoor exposure
Ocean warming	Red tide	▲ Toxic algal blooms
Elevated precipitation	Rift valley fever	▲ Pools for mosquito breeding
	Hantavirus pulmonary syndrome	▲ Rodent food, habitat, abundance

//

▲ increase ▼ reduction

## आगे की राह

- संक्रामक रोग संचरण पैटर्न में परिवर्तन जलवायु परिवर्तन का एक प्रमुख संभावित परिणाम है। इस प्रकार अंतरनिहित जटिल कारण संबंधों के बारे में अधिक जानने की आवश्यकता है और इस जानकारी को अधिक पूर्ण, बेहतर मान्य, एकीकृत, मॉडल का उपयोग करके भविष्य के प्रभावों की भविष्यवाणी पर लागू करने की आवश्यकता है।
- सरकार और नीति निर्माताओं को बाल स्वास्थ्य के लिये प्रभावी उपायों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है क्योंकि वर्तमान समस्याएँ भविष्य में जलवायु परिवर्तन परिदृश्यों के तहत पहले से ही कुपोषित बाल चिकित्सा आबादी में कई माध्यमों से बीमारी का बोझ बढ़ा सकती है।

## स्रोत-पी.आई.बी

PDF Reference URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/climate-change-infectious-diseases>